सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 02 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 3 फरवरी, 2026

मूल्य ₹ 3/-

जब प्यार और नफरत दोनों ही ना हो तो हर चीज साफ और स्पष्ट हो जाती है।

-ओशो

विश्वकप से पहले तिलक वर्मा... 7 | दक्षिणी राज्यों में थम नहीं रहा... 3 | भाजपाई पहले भी विदेशियों के... 2

सत्ता के सीने पर सवालों की चोट

राहुल का वार, सरकार बेकरार

» अगर सब ठीक है तो इतनी घबराहट क्यों?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की किताब के कुछ अंशों का जिक्र कर देश में राजनीतिक बवाल मचा दिया है। एपिस्टन फाइल पर जारी बमचक के बीच राहुल का यह वार सरकार को बेचैन कर गया है।

ससंद में इस मुद्दे पर जबर्दस्त गर्मी देखने को मिल रही है। राहुल गांधी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान जनरल नरवणे की एक अप्रकाशित पुस्तक का जिक्र कर अपनी बात रखने की कोशिश कर रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष ने टोकते हुए राहुल गांधी को ऐसा करने से रोक दिया। यही से बवाल कि शुरूआत हो गयी। गौरतलब है कि जनरल नरवणे की किताब के जिन अंशों का जिक्र राहुल गांधी करना चाहते थे वह सिर्फ व्यक्तिगत अनुभव नहीं बल्कि सत्ता सेना और नीति निर्माण के रिश्ते पर सीधे सवाल थे।

किताब से घबराहट क्यों?

रक्षा विशेषज्ञों की राय भी दो फाड़ है। कुछ मानते हैं कि राहुल गांधी ने सेना और सरकार के रिश्तों पर बहस छेड़कर सही किया तो कुछ का कहना है कि यह संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक मंच पर उठाना जोखिम भरा है। नियम साफ हैं रिटायरमेंट के बाद पांच वर्षों तक कोई भी पूर्व सेना प्रमुख ऐसी जानकारियां सार्वजनिक नहीं कर सकता जो राष्ट्रीय सुरक्षा या नीति से जुड़ी हों। शायद यही वजह है कि सरकार ने नरवणे की किताब पर प्रतिबंध लगाने का रास्ता चुना। लेकिन सवाल यहीं अटक जाता है अगर सब कुछ नियमों के दायरे में है तो किताब से इतनी घबराहट क्यों?

चुनौतीपूर्ण समय में नरवणे ने संभाली कमान

जनरल मनोज मुकुंद नरवणे भारतीय सेना के 28वें थल सेना प्रमुख रहे। उन्होंने दिसंबर 2019 से अप्रैल 2022 तक यह पद संभाला। उनका कार्यकाल ऐसे समय में रहा जब भारत को चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गंभीर तनाव का सामना करना पड़ा। पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी की घटना, सैन्य तैनाती में वृद्धि, कूटनीतिक और सैन्य स्तर की वार्ताएँ–ये सभी घटनाएँ नरवणे के कार्यकाल के दौरान हुईं। इसके अलावा, सुरक्षा से जुड़े कई नीतिगत निर्णय भी इसी अवधि में लिए गए।

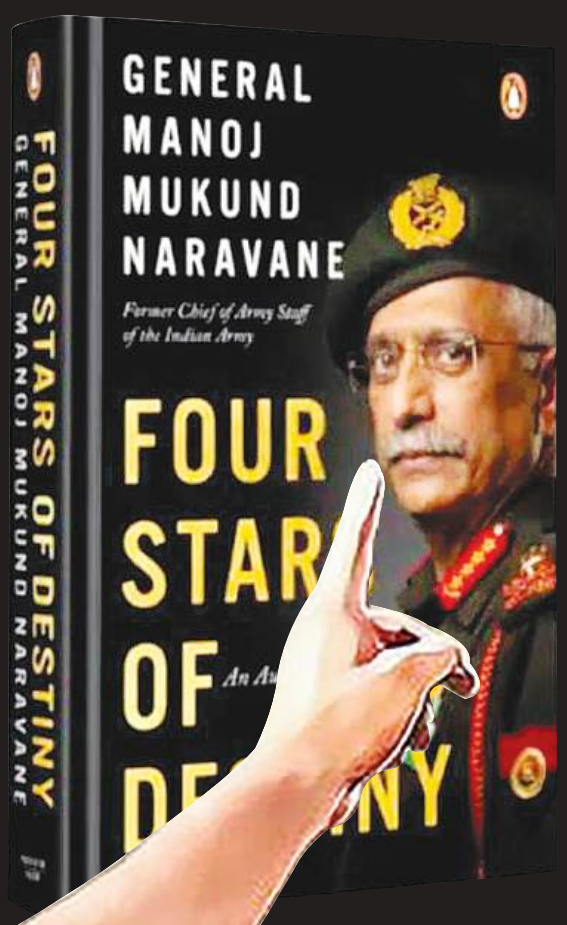

यह सिर्फ सवाल नहीं है?

सवाल सिर्फ यह नहीं था कि राहुल गांधी ने क्या कहा सवाल यह था कि उन्होंने किसके शब्दों के सहारे क्या कहा। एक ऐसे सैन्य अधिकारी के शब्द जिन्होंने 2019 से 2022 तक थल सेना प्रमुख रहते हुए चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव जैसे अत्यंत संवेदनशील हालात देखे बड़े रणनीतिक फैसलों का हिस्सा रहे और देश की सुरक्षा की कमान संभाली। रिटायरमेंट के बाद उनकी आत्मकथा में उन्हीं दौरों से जुड़े अनुभवों और घटनाओं का उल्लेख है और अब वही अनुभव सत्ता के लिए असहज सच बनते जा रहे हैं।

“राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण मसला उठाया। वह भी सेना के सर्वोच्च पद पर रहे व्यक्ति द्वारा लिखा गया है। सारे देश को जानना चाहिए कि सरकार चीन के सामने नतमस्तक क्यों है? राज्यसभा में भी यही बात कही गई, लेकिन लोकसभा में क्यों नहीं कहने दिया गया? वह तो देश के हित के बारे में बात कर रहे थे।

प्रमोद तिवारी, कांग्रेस सांसद

“सदन से जुड़े नियमों का सही ढंग से पालन नहीं किया जा रहा है। 1947 में जब पाकिस्तान के साथ संघर्ष हुआ, तो संसद भवन में इसकी चर्चा हुई थी। 1962 में चीन के साथ युद्ध के दौरान भी संसद भवन के दोनों सदनों में चर्चा हुई थी। यह चर्चा लगभग एक हफ्ते तक चली थी। 1965 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध को लेकर भी राष्ट्रपति ने सदन में इसकी जानकारी दी थी। ऐसे उदाहरणों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर सदन में चर्चा होनी ही चाहिए।

मनीष तिवारी, कांग्रेस सांसद

“दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेता को लोकतंत्र खतरे में है जैसे बयान नहीं देने चाहिए। उनका लंबा राजनीतिक अनुभव है। उन्हें अमर्यादित और अव्यावहारिक बातें नहीं करनी चाहिए। उनकी पार्टी ने आपातकाल लगाया था। मुझे लगता है उन्हें इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह का राज्यसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। अपने आकाओं को खुश करने के लिए वह इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं।

मदन राठौड़, भाजपा सांसद

अग्निवीर योजना नहीं चाहते थे नरवणे!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नरवणे को यह भरोसा था कि वह देश के अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बनेंगे। लेकिन एक बुनियादी मतभेद आड़े आया और वह था अग्निवीर योजना का। नरवणे इस

योजना के पक्ष में नहीं थे जबकि सरकार इसे किसी भी कीमत पर लागू करना चाहती थी। इसी टकराव के चलते ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें सीडीएस नहीं बनाया गया और यह जिम्मेदारी जनरल बिपिन रावत को सौंप दी गई। राहुल गांधी ने जब इस दावे को संसद में उठाया तो मामला महज राजनीतिक आरोप से आगे बढ़कर राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य स्वायत्तता के सवाल में तब्दील हो गया।

“भारत की जनता ने जिसके हाथ में लोकतंत्र को सुरक्षित समझा है उसे जिम्मेदारी दे दी है। जनता की अदालत सबसे बड़ी है। उसी अदालत ने भाजपा और एनडीए को संसद में पहुंचाया है। उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेनी चाहिए।

मयंक कुमार नायक
भाजपा सांसद

भाजपाई पहले भी विदेशियों के एजेंट थे, आज भी हैं : अखिलेश

» भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर सपा प्रमुख ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर बीजेपी और केंद्र सरकार पर करारा वार किया है। सपा नेता ने कहा कि ये देश के किसानों पर हमला है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी आजादी से पहले भी विदेशियों की एजेंट थी और आज भी उनकी एजेंट बनी हुई है।

सपा अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर निशाना साधा। इससे केवल किसान ही नहीं, निम्न मध्यवर्ग और मध्यम वर्ग भी बुरी तरह प्रभावित होगा क्योंकि इससे खाद्यान्न और कृषि उत्पादों की मुनाफाखोरी व बिचौलियों की एक नयी जमात पैदा हो जाएगी, जिसकी वजह से खाने-पीने की सब चीजें और भी महंगी हो जाएंगी। साथ ही भाजपा इन कंपनियों से चंदा वसूली भी करेगी, जिससे खाद्य व कृषि उत्पाद और भी ज़्यादा महंगे हो जाएंगे।

सपा मुखिया ने लिखा- भाजपा ने फिर किया 'किसानों' पर वार भाजपा सरकार दे जवाब, क्या है दबाव, भारत के बाज़ार को अमेरिकी कृषि उत्पादों व खाद्यान्नों के लिए खोल देना, हमारे देश की खेती-किसानी पर रोज़ी-बसर करने वाली 70प्रतिशत आबादी के साथ धोखा है। इससे धीरे-धीरे हमारे किसानों की खेतीबाड़ी और आय कम हो जाएगी और वो मजबूर होकर अपनी जमीन अमीरों व कारपोरेट को बेचने पर मजबूर हो जाएंगे। जमीनों पर कब्जा करना ही भाजपाई और उनके संगी-साथियों का आखिरी मकसद है।

संगठित रूप से पुरजोर विरोध होना चाहिए

इसका संगठित रूप से पुरजोर विरोध होना चाहिए। एमआरपी और छुट्टा मवेशियों से परेशान किसान अब भाजपा सरकार की ज़्यादतियों को और नहीं सहेगा। ये भाजपाई खेती-किसानी को बर्बाद करने के लिए सब कुछ करेंगे क्योंकि ये वो लोग हैं जो ज़मीन के उत्खनन से लेकर खनन व उसकी पैदावार, सब पर गिद्ध निगाह रखते हैं और साल-दर-साल किसी न किसी रूप में किसानों पर वार करते हैं, भाजपा किसान विरोधी थी, है और रहेगी भाजपा हटाओ और खेत, किसानी, किसान बचाओ!

अर्थव्यवस्था के साथ धोखा बताएं कितना कमीशन खाया

भाजपाई और उनके संगी-साथी आज़ादी से पहले भी विदेशियों के एजेंट थे, आज भी हैं. आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की बात करनेवाले भाजपाई और उनके संगी-साथी जनता के बीच जाकर बताएं कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था के साथ धोखा करने के लिए कितना कमीशन खाया है।

सीड बिल भी किसान विरोधी

अखिलेश यादव ने सीड बिल को लेकर कहा कि भारतीय खेती के लिए घातक 'सीड बिल' उसी कृषि और किसान विरोधी भाजपा सरकार की दिमागी उपज है जो-भूअधिग्रहण और काले-क़ानून लाई थी। जो हर साल खाद की लाइन में लोगों को लगाकर उनको अपमानित करती है। ये भाजपाई पहले बीज कंपनियों से कमीशन खाएंगे फिर,पेस्टीसाइड कंपनियों से,,फर महाभंडारण के लिए बनने वाले साइलो की कंपनियों से,फिर फ़सल बीमा कंपनियों से,फिर कम क़ीमत तय करते समय,फिर फ़सल की ख़रीद-फरोख्त करने वाले बिचौलियों से, भारतीय वातावरण में ऐसे सीड से खेती-किसानी पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगी।

अब मुलाकाती ही जज बन गए हैं : सीएम मान

» डेरा ब्यास प्रमुख और मजीठिया की मुलाकात पर सीएम का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक ट्वीट के जरिए शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया और डेरा राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों की जेल में हुई मुलाकात पर कड़ा तंज कसा है। मान ने अपनी पोस्ट में लिखा-कल बन जाएं चाहे आज बन जाएं, अदालतों का वहां रब्ब राखा जहां मुलाकाती ही जज बन जाएं।

डेरा ब्यास प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों सोमवार को पटियाला जेल में बंद बिक्रम मजीठिया से मिलने पहुंचे थे। जेल परिसर से बाहर आने के बाद डेरा प्रमुख ने मजीठिया के खिलाफ लगे आरोपों को निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया था। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए संकेत दिया कि जब जेल में मिलने आने वाले लोग ही आरोपी को क्लीन चिट देने लगें और खुद जज की तरह व्यवहार करें, तो न्याय प्रणाली की गरिमा प्रभावित होती है।

गौरतलब है कि इस मुलाकात और डेरा प्रमुख के बयान के कुछ ही घंटों बाद सुप्रीम कोर्ट से मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति मामले में जमानत मिल गई।

अपना दल (एस) ने कसी कमर, पंचायत चुनाव पर नजर

अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश, बोलीं मंत्री- हर गांव व बूथ को मजबूत करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पंचायत चुनाव के साथ ही अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में बढ़त बनाने को लेकर अपना दल (एस) ने अपनी तैयारी आरंभ कर दी है। इसी के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कार्यकर्ताओं को बड़ा लक्ष्य दिया है। उन्होंने कहा लक्ष्य बड़ा है और समय कम है। इसलिए सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांव-गांव, बूथ-बूथ जाकर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी को जोंडें। दोनों चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन तभी बेहतर होगा, जब एक-एक कार्यकर्ता जुनून के साथ गांव व बूथ मजबूत करने में जुटेगा।

उन्होंने कहा आपका यही जुनून हम सब को बड़ा लक्ष्य हासिल करने के लिए ताकत देगी। पार्टी अध्यक्ष कैंप कार्यालय में संगठन की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने पदाधिकारियों को दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जो भी आपस के कीट-कांटे हैं, उसे तत्काल दुरुस्त करें और जमीनी स्तर

संगठन को मजबूत बनाने में जुटें। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने का टिप्स भी दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा चुनावी वर्ष शुरू हो चुका है। इसमें पार्टी को हर हाल में बढ़ता बनाना है। इसमें हमें बड़ी सफलता तभी हासिल होगी, जब पार्टी का विचार व झंडा हर गांव, हर बूथ तक पहुंच जाएगा। इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी, तब जाकर बड़ा लक्ष्य हासिल करने में हम सब कामयाब होंगे।

एसआईआर भरने में न चूकें : आशीष पटेल

इससे पहले पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने

पदाधिकारियों से सीधा संवाद करते हुए एसआईआर के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अब तीन दिन ही शेष हैं। इसलिए सभी लोग सारा काम छोड़ करके एसआईआर में जुटे और समर्थक मतदाताओं का जुड़वाने में जुटें। उन्होंने कहा कि अगर एसआईआर में कमजोर हुए तो इसका असर पार्टी के प्रदर्शन पर भी पड़ेगा। इसलिए इस काम में किसी भी स्तर उदासीन न बनें।

बजट घोषणाएं कभी पूरी नहीं होंगी : कार्ति चिदंबरम

» कांग्रेस सांसद का एनडीए सरकार पर तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने केंद्रीय बजट 2026-27 की आलोचना करते हुए पिछले वर्ष के बजट में की गई घोषणाओं की स्थिति पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि इस वर्ष के बजट में किए गए वादे कभी पूरे नहीं होंगे।

चिदंबरम ने कहा कि ये बजट महज बड़ी-बड़ी घोषणाओं का मंच बनकर रह गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह 2047 के लिए उड़ान भरने वाला बजट है, तो उसी वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए पिछले बजटों का क्या? क्या वे उड़ान भरने वाले बजट नहीं थे? ये बजट अब जमीनी घोषणाओं का मंच बनकर रह गए हैं। हर कोई इन बड़ी-बड़ी घोषणाओं में बह जाता है, बिना यह सोचे कि उसी सरकार द्वारा पिछले बजटों में की गई जमीनी घोषणाओं का क्या हुआ... यह बजट कई ऐसी घोषणाओं से भरा है जो कभी पूरी नहीं होंगी। कार्ति चिदंबरम के साथ-साथ अन्य प्रमुख नेताओं ने भी इस वर्ष के केंद्रीय बजट 2026-27 की आलोचना की। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बजट को निराशाजनक और भविष्य की दृष्टि से अदूरदर्शी बताया। परमेश्वर ने कहा कि बजट प्रमुख राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को संबोधित करने में विफल रहा है और उन्होंने गरीबी उन्मूलन और विकास के प्रति केंद्र सरकार के इरादे पर सवाल उठाए। पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा कि इस वर्ष का केंद्रीय बजट निराशाजनक है, दूरदर्शी नहीं है और गरीब-समर्थक बजट नहीं है। क्या गरीबी उन्मूलन, कृषि क्षेत्र, उद्योग या अवसंरचना उनकी प्राथमिकता नहीं है? यह भारत को आगे नहीं ले जा रहा है।

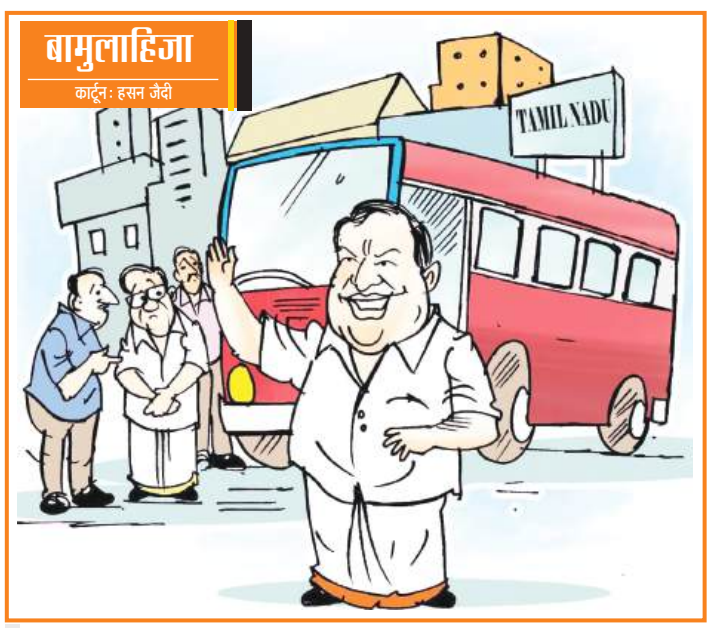

सत्ताधारी पार्टी विपक्ष को देशद्रोही बताती है : महुआ

» मोदी, शाह और किरेन रिजिजू पर बिफरीं तृणमूल कांग्रेस की सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को संसद से बाहर निकलने के बाद प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर जमकर बरस पड़ीं। उन्होंने बजट सत्र के दौरान केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी बार-बार विपक्ष को देशद्रोही बता रही है। संसद में विपक्ष ने कोई हंगामा नहीं किया। इनलोगों के पास किसी सवाल का जवाब ही नहीं है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए सदन में विपक्ष के भाषणों

पर लगाए गए प्रतिबंधों पर सवाल उठाया। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए मोइत्रा ने कहा कि संसद में कोई हंगामा नहीं हुआ। यह अविश्वसनीय है कि सत्ताधारी पार्टी और प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री समेत सत्ता पक्ष के सदस्य विपक्ष के बारे में कुछ भी कैसे कह सकते हैं। महुआ मोइत्रा ने कहा कि क्या आप मुझसे कह रहे हैं कि सदन में भारत-चीन संबंधों का जिक्र नहीं किया जा सकता, सदन में भारत-पाकिस्तान संबंधों का जिक्र नहीं किया जा सकता सदन में भारत-अमेरिका संबंधों का जिक्र नहीं किया जा सकता? उन्होंने आगे कहा कि हम किस बारे में बात करें? क्या बैठकर जय प्रधानमंत्री का नारा लगाएं? क्या सदन में हमें बस यही करना चाहिए?

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं को अक्सर देशद्रोही करार दिया जाता है। वे हमें देशद्रोही कहते हैं। वे हम पर लांछन लगाते हैं और यह सब जायज है। ऐसा करने से रोकने वाला कोई नियम नहीं है। वे कुछ भी कह सकते हैं।

दक्षिणी राज्यों में थम नहीं रहा सियासी बवाल

वाईएसआर व टीडीपी में तकरार

फोन टैपिंग मामले में केसीआर पर वार

» वाईएसआरपी ने एनडीए सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण भारत में सियासी गर्मी अपने तेवर में आ गई है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना व तमिलनाडु में सरकारी कार्रवाईयों से बवाल मच गया है। जंहा आंध्र प्रदेश में गरमाई राजनीति हुई है वहां लगातार दूसरे दिन पूर्व मंत्रियों के घरों पर हमले हो रहे हैं। इनसबके बीच वाईएसआरपी ने टीडीपी सरकार को घेरा है। बता दें आंध्र प्रदेश में दो दिनों में पूर्व मंत्री जोगी रमेश और अंबाती रामबाबू के घर पर हमला किया गया।

जिसके बाद इलाके में दहशत का माहौल है। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा जिले के इब्राहिमपट्टनम इलाके में पूर्व मंत्री और जोगी रमेश के घर पर रविवार को हमला हुआ। बड़ी संख्या में आए लोगों ने उनके घर में तोड़फोड़ की, सामान तोड़ा और घर के कुछ हिस्सों में आग लगा दी। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, हमला अचानक नहीं बल्कि पूरी योजना के साथ किया गया। वंही एसआईटी जांच के जवाब में बीआरएस ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना सरकार के खिलाफ असहमति जताने के लिए काले बैज लगाए।

वाईएसआरसीपी का आरोप जोगी रमेश को जानबूझकर निशाना बनाया गया

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) का आरोप है कि जोगी रमेश को जानबूझकर निशाना बनाया गया, क्योंकि वे एक जाने-माने बीसी (पिछड़ा वर्ग) नेता हैं। एक दिन पहले भी एक पूर्व मंत्री के घर पर हुआ था हमलायह घटना ऐसे समय हुई है, जब इससे एक दिन पहले पूर्व मंत्री अंबाती रामबाबू के घर और दफ्तर पर भी हमला हुआ था। आरोप है कि टीडीपी कार्यकर्ताओं ने उनके घर में तोड़फोड़ की और आगजनी की। इस बीच अंबाती रामबाबू को मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ कथित आपत्तिजनक बयान देने के मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

डीएमके सरकार सिर्फ वादे नहीं करती, उन्हें पूरा भी करती है : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शिवगंगा की समृद्ध तमिल सभ्यता, वीरता और बलिदान की विरासत को याद करते हुए कहा कि यह जिला प्रतिरोध, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कीलाडी पुरातात्विक खोजों का हवाला देते हुए कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि हजारों वर्ष पूर्व इस क्षेत्र में तमिल सभ्यता फली-फूली थी। मुथु वदुगनाथ थेवर, वेलू नाचियार, वेल्लाची नाचियार, मरुथु बंधुओं और क्रांतिकारी कुयिली सहित स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बलिदान आज भी तमिल समाज को प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा कि शिवगंगा वह भूमि है जिसने बलिदान को शक्ति में परिवर्तित किया। अपनी यात्रा के दौरान, स्टालिन ने कुल 2,560 करोड़ रुपये की 49 पूर्ण परियोजनाओं और 13.36 करोड़ रुपये की 28 नई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अलावा, उन्होंने 15,453 लाभार्थियों को 205 करोड़ रुपये की कल्याणकारी सहायता वितरित की। मुख्यमंत्री ने जिले में 2,452 ग्रामीण बस्तियों, 11 पंचायत संघों, आठ नगर पालिकाओं और तीन नगर निगमों को कवर करने वाली 2,119.07 करोड़ रुपये की संयुक्त पेयजल योजनाओं का भी उद्घाटन किया। 32 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मिनी टाइडल पार्क का भी उद्घाटन किया गया।

केसीआर को नए नोटिस पर संग्राम

भारत राष्ट्रसमिति (बीआरएस) के प्रमुख और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) अपने एर्रावल्ली स्थित फार्महाउस से हैदराबाद स्थित अपने आवास के लिए रवाना हुए, जहां वे फोन टैपिंग मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही पूछताछ, में शामिल हुए। यह घटना फोन टैपिंग मामले की जांच कर रही एसआईटी द्वारा 30 जनवरी को तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) को नए नोटिस जारी करने के बाद हुई है। केसीआर के बेटे केटी रामाराव और भतीजे टी हरीश राव सहित कई बीआरएस नेताओं से पहले ही एसआईटी ने इस मामले में पूछताछ की थी। निर्धारित पूछताछ से पहले हैदराबाद के नंदी नगर स्थित केसीआर के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। एसआईटी जांच के जवाब में बीआरएस ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना सरकार के खिलाफ असहमति जताने के लिए काले बैज लगाए। राज्य भर में प्रदर्शन हुए, जिनमें पार्टी ने कथित फोन टैपिंग मामले में अपने प्रमुख से पूछताछ का विरोध जताया। फोन टैपिंग का मामला तब

सामने आया जब पूर्व डीसीपी पी. राधाकृष्ण राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान मीडिया जगत के दिग्गजों, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं के फोन की निगरानी की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर नजर रखने के लिए किया गया था। इस कथित फोन टैपिंग मामले में चंद्रशेखर राव ने सहायक पुलिस आयुक्त पी. वेंकटगिरी को पत्र लिखकर कहा कि वे कल दोपहर 3 बजे पूछताछ के लिए उपलब्ध रहेंगे।

विपक्ष ने राज्य सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

वाईएसआरसीपी नेताओं का कहना है कि लगातार हो रहे ये हमले राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े करते हैं। पार्टी प्रवक्ता कोंडा राजीव गांधी और राष्ट्रीय प्रवक्ता कार्तिक येल्लाप्रगड़ा ने आरोप लगाया कि यह सब सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की सहमति और संरक्षण में हो रहा है।

सीएम नायडू ने आरोपों को किया खारिज

वहीं मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वाईएसआरसीपी की राजनीति हमेशा से अपराध और अराजकता पर आधारित रही है। उन्होंने दावा किया कि 2024 के बाद राज्य में कानून का राज स्थापित किया गया है और किसी को भी कानून तोड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

नोटिस को अवैध बताया

दावा किया कि उन्हें भेजा गया नोटिस अवैध था। 30 जनवरी, 2026 को लिखे अपने पत्र में केसीआर ने दावा किया कि नोटिस कानूनी आवश्यकताओं के अनुसार नहीं भेजा गया था, इसे अवैध बताया और कहा कि वे इसे अनदेखा कर सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि नोटिस भेजना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उनकी गरिमा और अनुच्छेद 14 के तहत समानता के उनके अधिकार का उल्लंघन है।

चंद्रबाबू नायडू हिंसा भड़का रहे : जगन मोहन रेड्डी

वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर हिंसा और अराजकता भड़काने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र में विपक्षी नेताओं पर हमले असहमति को दबा नहीं सकते। नाम न बताने की शर्त पर एक वरिष्ठ टीडीपी नेता ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

आंध्र में पुलिस का कहना-स्थिति नियंत्रण में

पश्चिम जोन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) दुर्गा राव ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। एसीपी ने आगे कहा कि पुलिस स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास कर रही है। इसी बीच, वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी ने आरोप

लगाया कि घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई, घरों में सामान क्षतिग्रस्त हो गया और परिसरों में तोड़फोड़ की गई। वाईएसआरसीपी ने आरोप लगाया कि प्रमुख बीसी नेता रमेश को जानबूझकर निशाना बनाया गया था और दावा किया कि यह घटना आंध्र प्रदेश में कानून-व्यवस्था के पूर्ण पतन को दर्शाती है। विपक्षी दल ने कहा कि दो दिनों के भीतर पूर्व मंत्रियों पर लगातार हमले विपक्षी नेताओं के खिलाफ राजनीतिक धमकियों का एक पैटर्न दर्शाते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ऐसे बदलते मौसम में सतर्कता बरतना जरूरी

बसंत के बाद कु छ दिनों से मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इसी के साथ दिक्कतें प्रारंभ होने लगती हैं। पिछले एक हफ्ते से पहाड़ी राज्यों से वर्फबारी की खबरें आने लगी हैं। उत्तर भारत में बारिश भी कभी-कभी हो रही है। इससे बीमारियां भी तेजी से फैल रही है। मौसमी चक्र में आ रहा यह अप्रत्याशित बदलाव जलवायु परिवर्तन का संकेत तो है ही, जिसके चलते देश को पिछले दिनों जरूरत से ज्यादा बारिश या कम समय में अत्यधिक बारिश का सामना करना पड़ा है। अब जाड़े में भी सुबह शाम कड़ी ठंड पड़ रही जबकि दिन में धूप निकल रही है। इस तरह उतार-चढ़ाव के मौसम के चलते जहां देश के अधिकांश हिस्से धुंध व पाले समस्या से जूझने को विवश हुए, उधर कु छ महीने पहले वर्षा जलजनित दुश्वारियों से भी बेहाल दिखे। वह बात दीगर है कि बारिश के भीषण कहर से देश के मैदानी इलाके भी अछूते नहीं रह सके। मैदान में लगातार बारिश का कहर इसी का नतीजा रहा। इस बार तो आफत की बारिश की मार ने राजस्थान तक को नहीं बख्शा। दो सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ, हरियाणा में चक्रवाती स्थितियां, बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र ने हालत को और विषम बना दिया। इसमें किंचित भी संदेह नहीं है कि अब भारतीय मानसून की प्रकृति बदल रही है। कभी सूखे जैसी स्थिति और कभी रिकॉर्ड तोड़ वर्षा का सामना अब आम होता जा रहा है।

महासागरीय परिस्थितियां और क्षेत्रीय दबाव तंत्र मिलकर मानसून को अप्रत्याशित बना रहे हैं। भीषण बारिश की मार झेल रहे इन राज्यों में भूस्खलन की जितनी अधिक घटनाएं हुईं, वह एक रिकॉर्ड है। यह सब अनियोजित विकास, अनियंत्रित निर्माण और पहाड़ी राज्यों में पहाड़ हो या नदियों या प्राकृतिक संसाधनों से अनावश्यक छेड़छाड़ का नतीजा है। दरअसल इस बार इस विनाश का अहम कारण पूर्वी-पश्चिमी हवाओं की टक्कर तो है ही, जबकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, पहले भी ऐसा हुआ है, पर इस बार कुछ ज्यादा ही हुआ है दो पश्चिमी विक्षोभ लंबे समय तक इस क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं और बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र भी काफी समय तक बना रहा है। सबसे अहम परिवहन, उद्योग, वनों का कटाव वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों का बड़ा कारण है, जिससे पृथ्वी का वैश्विक तापमान बढ़ता है। फिर इस इलाके में ज्यादा बारिश का होना भी एक कारण रहा है, कमजोर आधारभूत ढांचों का निर्माण और जल निकासी का समुचित उपाय न किया जाना भी अहम वजह रही है। इसके साथ ही साथ एलनीनो जैसी प्राकृतिक घटनाएं भी मौसम को प्रभावित करती हैं। इसका दुष्परिणाम भारत समेत दूसरे देशों में सूखे का कारण बनता है। असलियत में मौजूदा मौसमी बदलाव महासागरीय हालातों से जुड़ा हुआ है। प्रशांत महासागर में एलनीनो कमजोर पड़ चुका है। ला-नीना के आसार हैं।

> मौसमी चक्र में आ रहा यह अप्रत्याशित बदलाव जलवायु परिवर्तन का संकेत तो है ही, जिसके चलते देश को पिछले दिनों जरूरत से ज्यादा बारिश या कम समय में अत्यधिक बारिश का सामना करना पड़ा है। अब जाड़े में भी सुबह शाम कड़ी ठंड पड़ रही जबकि दिन में धूप निकल रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संगठित आतंकवाद वैश्विक शांति के लिए खतरा

सुरेश सेठ

दुनिया में आतंकवाद अब कोई स्थानीय समस्या नहीं रहा। इसका नियंत्रण भी प्रशासनिक अधिकारियों के स्थानीय दृष्टिकोण से नहीं हो सकता। आतंकवाद विश्व स्तर पर एक संगठित धंधा बन चुका है। अलग-अलग देशों—चाहे फ़लस्तीन हो या पाकिस्तान—में आतंकवाद का पोषण खुलेआम होता है। फलस्तीन में हमास की गतिविधियां और पाकिस्तान में आतंकवादियों के पोषण के अड्डे किसी से छिपे नहीं हैं। आतंकवाद का पोषण भी एक संगठित तरीके से विभिन्न देशों द्वारा किया जाता है, लेकिन जब इस मानवता-विरोधी कारगुजारी पर सवाल उठाए जाते हैं, तो वे बड़ी मासूमियत से अपनी संलिप्तता से इनकार कर देते हैं। भारत के विरुद्ध आतंकवाद का निरंतर पोषण करते हुए भी पाकिस्तान कभी इस बात को स्वीकार नहीं करता, बल्कि स्वयं को आतंकवाद से पीड़ित बताता रहता है।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति की चाल भी निराली है। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान को आतंकवाद का शिकार देश बताते हुए उसे आतंक के मुकाबले में अग्रणी करार दे दिया था। आतंकवादी पाकिस्तान में पनाह लिए रहते हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादी सूचियों में दुर्दांत आतंकवादियों के नाम गायब हो जाते हैं। आतंकवाद का मुखर समर्थन करने वाले इन देशों के पीछे बड़ी ताकतें रहती हैं, जो उन्हें आर्थिक सहायता और हथियारों की आपूर्ति कर पीठ थपथपाती हैं। दुनिया भर में आतंकवाद एक संगठित कारोबार के रूप में फैलता जा रहा है। यदि पाकिस्तान के आतंकवाद पर अप्रत्यक्ष रूप से चीन की सहमति है, तो फलस्तीन के हमास आतंकियों के पीछे कुछ इस्लामिक देश हैं। लेकिन जो सच है, उसे नजरअंदाज कर आतंक-पोषक देश अपनी मासूमियत जताते हैं। वास्तव में आतंकवाद की शिकार वह साधारण जनता है, जिसके जान-माल और रोजी-रोटी पर आतंकियों का कुठाराघात होता है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद के सामने नाटकीय ढंग से आतंकवाद का पोषक होने से इनकार किया।

उसने कहा कि केवल सरकारी नीति के अनुसार ही देश में व्यवस्था चलाई जाती है और उसी के तहत शत्रु का मुकाबला किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भी झूठा ब्योरा प्रस्तुत किया और पहलगाम की निर्मम घटना के दोष से

स्वयं को बरी कर लिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के सुरक्षा प्रतिनिधि ने खरी-खरी सुनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर पर झूठा ब्योरा पेश करने को लेकर पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने जोर देकर कहा कि इस्लामाबाद आतंकवाद को सामान्य घटना के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संयुक्त राष्ट्र के इस सदन में पाकिस्तान आतंकवाद को वैध ठहराने की अपनी ओछी हरकत नहीं कर सकता। पहलगाम में अप्रैल, 2025 में पाकिस्तानी आतंकियों ने जघन्य हमला कर निर्दोष नागरिकों की हत्या की थी। इस आतंकी घटना के जवाब में और पाकिस्तानी आतंकी अड्डों को नष्ट करने के उद्देश्य से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। भारत ने पाकिस्तान के भीतर जाकर आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त किया और पाकिस्तान-अधिकृत क्षेत्रों में भी आतंकी ढांचों को नष्ट किया। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह फिर से आतंकी अड्डों को पुनर्जीवित कर आतंकवाद के पोषण में जुटा हुआ है। आज संयुक्त राष्ट्र संघ भी अपनी प्रासंगिकता खोता हुआ प्रतीत हो रहा है। वह कहीं भी शांति सुनिश्चित करने में सक्षम नहीं दिखता। उसके निंदा प्रस्तावों का आतंकियों या उन्हें संरक्षण देने वाले देशों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। यही देश संयुक्त राष्ट्र के मंच पर आकर स्वयं को आतंकवाद से पीड़ित मासूम राष्ट्र बताते हैं। भारतीय प्रतिनिधि ने स्पष्ट कहा कि संयुक्त राष्ट्र केवल बजट की चिंता तक सीमित न रहे, बल्कि संघर्षों से निपटने में अपनी जड़ता और प्रभावहीनता को समाप्त करे।

इसी कारण आतंकवादी सिर उठा रहे हैं और अपने षड्यंत्रकारी, आक्रामक रवैये से विश्व को युद्ध की ओर धकेल रहे हैं। आतंकवाद अब स्थानीय नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और मानवीय मूल्यों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यह धीरे-धीरे एक संगठित और व्यावसायिक स्वरूप ले रहा है। इस प्रकार आतंकवाद एक घातक वैश्विक बाजार में बदलता जा रहा है, जो विकास के बजाय मृत्यु का संदेश देता है। ऐसे में इससे निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को अपनी भूमिका और दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा। सुरक्षा परिषद को वीटो-आधारित यंत्रचालित ढांचे से बाहर निकलकर पारदर्शिता, सत्य और न्याय पर आधारित प्रभावी मंच बनना चाहिए।

अमिताव घोष के सृजन में कल्पना और सच का जादुई मिश्रण

ज्योति मल्होत्रा

मेधावी लेखक अमिताव घोष इन दिनों अपनी नई किताब 'घोस्ट आई' के प्रचार लिए अपनी मातृभूमि में यात्रा कर रहे हैं, जी बिल्कुल, वे पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश या जम्मू-कश्मीर के आस-पास भी कहीं नहीं आ रहे, क्योंकि ऐसा लगता है कि इस क्षेत्र में साहित्य-सम्मेलनों की भरमार के बावजूद -जिसमें चंडीगढ़ में होने वाले दो सम्मेलन भी शामिल हैं, और दोनों में ध्यान ज्यादातर इस बात पर केंद्रित रहता है कि वहां आपने किस-किस हस्ती को देखा बजाय इसके कि आपने यह वाली किताब पढ़ी है या नहीं - देश के इन हिस्सों में पाठकों का बाज़ार ज़्यादा बड़ा नहीं है। (किताबों से जुड़े लोग भी इस बारे में जानते हैं)। तो यहां अमिताव घोष के बारे में पहलू यह है - शायद वे उन सबसे ज्यादा गैर-मिलनसार लोगों में एक हैं जिनसे आपकी भेंट हुई होगी।

वह रूखे हैं, यहां तक कि चिड़चिड़े भी। पिछली एक किताब की बाबत एक इंटरव्यू में, उन्होंने पुस्तक के बारे में बात ही करने से मना कर दिया था। दशकों पहले मैं उनके पूर्व प्रकाशक रवि दयाल की ओर से उन्हें भेजी गईं कुछ किताबों का बंडल, जो सिर्फ दक्षिण एशिया में छपी थीं, नई दिल्ली से न्यूयॉर्क ले कर गई थी - कई ईमेल के बाद हम एक कॉफी शॉप में मिले और मैंने सोचा, वाह, यहां मुझे इस मूर्धन्यता के पीछे के इंसान को जानने का मौका मिलेगा। लेकिन वह शख्स अंदर आये, मुझसे किताबें लीं, हल्की सी मुस्कान के साथ धन्यवाद कहा, मुड़े और चला गये। मुझे लगा कि मैं एक ऐसी कॉफ़ी के लिए कई डॉलर ज़्यादा ही खर्च कर डाले, जो पीने में न तो गर्म थी और न ही स्वादिष्ट। बहरहाल, अगर आप जब उनका काम पढ़ना शुरू कर रहे हैं तो शुरुआत आपको 'द ग्लास पैलेस' से करनी चाहिए, एक ऐसी कहानी जो ताउम्र आपके याद रहेगी, कथानक भारत और बर्मा के बारे में है, मुश्किलों और यातनाओं का एक ऐसा सिलसिला जो महान राजा थिबाव की मुसीबतों से संबंधित है, जिन्हें अंग्रेजों ने उनके प्यारे मांडले से निकालकर महाराष्ट्र के तट पर रत्नागिरी में नजरबंद कर दिया था, जहां पर 1916 में उनकी मृत्यु एकाकीपन में हुई - सनद रहे, अंग्रेजों ने 1857 के असफल विद्रोह के बाद बहादुर शाह जफर को भी रंगून निर्वासित कर दिया था, जहां पर 1862 में वे अपने अंतिम समय तक रहे।

इन दिनों, जब चीज़ें बिखर रही हैं, तब हम भारत और उसके पूर्वी पड़ोसी म्यांमार के बीच रहे गहरे रिश्तों को भुला देते हैं। 2000 में जब अमिताव ने 'ग्लास पैलेस' लिखी और इतिहास की किताबों से इतिहास के नाटकीय पन्नों को फिर से सामने लाये, तब आप साफ तौर पर देखते कि भारत और बर्मा, दोनों देश जब ब्रिटिश राज का हिस्सा बने, अंग्रेजों ने किस प्रकार दो राजवंशों का निष्ठुरता से विनाश किया, 1935 में बर्मा के एक आजाद देश बनने तक, भारतीय रेलवे कोलकाता को रंगून-यांगून से जोड़ती थी और लोग बिना किसी भय या सीमा, पासपोर्ट या वीजा जैसी चीजों की अनिवार्यता बगैर एक से दूसरी जगह आते-जाते थे, काम करते थे, शादी करते थे, संतान पैदा करते थे, ठीक वैसे ही जैसा हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक फैले विशाल भारतीय उपमहाद्वीप में कहीं और होता था; कि दूसरे विश्व युद्ध का एक बड़ा हिस्सा न केवल यूरोप और अफ्रीका के युद्ध क्षेत्रों में लड़ा गया बल्कि बर्मा और मलाया भी रणक्षेत्र रहा, जिसको अब दक्षिण-पूर्व एशिया कहते हैं; और यह कि भारतीय सैनिक हर जगह लड़े, पूर्व व पश्चिम में, करीब 25 लाख सैनिक, जिनमें आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 87,000 योद्धा मारे गए- एक ऐसे देश या गठबंधन की ओर से लड़ते हुए जो उनका अपना था भी नहीं।

अमिताव घोष की यही खासियत है कि वे सच और परिकल्पना को एक जादुई मिश्रण में ढाल देते हैं और उसे अपना बना लेते हैं। इसलिए जब बीते हफ्ते यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर चीन गए और आपने उनकी शी जिनपिंग के साथ हाथ मिलाते हुए तस्वीरें देखीं, तो आपका दिमाग जरूर अमिताव की 'इबिस ट्रिलॉजी' की तरफ गया होगा। बेशक, प्यार तो उन अनजानी जगहों पर भी पनप सकता है जिसके बारे में कभी सोचा न हो, क्योंकि लोगों की जीवनधारा रूपी नाटक का भव्य मंचन महाद्वीपीय सीमाओं से परे भी होता रहता है, जिसमें युद्ध, व्यापार और वह अंतिम चीज, अफीम भी शामिल है। 'रिवर ऑफ स्मोक' बताती है कि क्यों कई चीनी इतिहासकारों का मानना है कि वर्ष 1839 ने 'अपमान की सदी' की शुरुआत की, जो अफीम युद्धों से शुरू हुई और 1949 में खत्म हुई जब माओ ने अपने असंगठित योद्धाओं के समूह का नेतृत्व करते हुए बीजिंग के बीचों-बीच स्थित 'मध्य राजशाही' (चीन का एक अन्य नाम) का तख्तापलट कर दिया था।

एक कहानी जो 'सी ऑफ पॉपीज' नामक शीर्षक से शुरू होती है, उसका संबंध पूर्वांचल में गंगा के किनारे गाजीपुर में बनी अफीम फैक्ट्री और दुनिया भर में भारतीयों के बंधुआ मजदूर के रूप में प्रवास से जोड़कर देखें। अफीम, इसका लाभदायक व्यापार, साम्राज्य बनाने और राष्ट्रवाद को कुचलने, दोनों में इसकी भूमिका, 'रिवर ऑफ स्मोक' और 'फ्लड ऑफ फायर' में कहानी का विषय हैं। 'द शैडो लाइन्स' के नए संस्करण शायद आजकल छप नहीं रहे - हालांकि, जिस गति से आज की तारीख में बांग्लादेश की राजनीति बदल रही है, उसे देखते हुए आप शायद नजदीकी लाइब्रेरी में वापस जाकर इसे ढूंढ़ना चाहें। अब बात करते हैं। अब सीधे 'गन आइलैंड' पर आते हैं, जो मकड़ियों, आप्रवासन और पर्यावरण आपदाओं को लेकर बुनी एक शानदार फंतासी है, जोकि वेनिस, कोलकाता और सुंदरबन के बीच घूमती रहती है। नागों की देवी, मनसा देवी की गाथा सबसे पहले यहीं प्रकट होती है। 'द हंग्री टाइड' कहानी कुछ ज्यादा ही भाषणबाजी किस्म की लगी, जो पर्यावरणीय बदलावों से बने संकटों को लेकर ज्यादा प्रयास न करने पर हमें डांटती है।

नये कपल्स को यहां मिलेगा रोमांस और खूबसूरत नजारे

शादी के बाद हनीमून हर कपल के लिए सबसे खास और यादगार समय होता है। यही वजह है कि सही डेस्टिनेशन चुनना बेहद जरूरी है। हनीमून के लिए अधिकतर कपल्स ऐसी जगह का चयन करना चाहते हैं, जहां रोमांस, खूबसूरत नज़ारे, निजी पल और शानदार अनुभव सबकुछ एक साथ मिले। इन कपल्स की इस वेडिंग सीजन में शादी हो रही है, उन्हें अभी से अपने लिए हनीमून डेस्टिनेशन का चुनाव कर लेना चाहिए। साथ ही 2026 के ट्रेंडिंग हनीमून डेस्टिनेशन की बुकिंग करा लेनी चाहिए। तो अगर आप भी दुनियाभर के बेस्ट हनीमून स्थलों पर जाना चाहते हैं तो इन स्थानों को चुनें जो 2026 में सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। साथ ही ये स्थल कपल्स के लिए कम खर्च में टूर हो जायेगा क्योंकि यहां के हनीमून डेस्टिनेशन पैकेज बजट फ्रेंडली है।

श्रीलंका

शांत बीचेस और खूबसूरत प्राकृतिक नजारों के बीच कपल्स रोमांटिक वक्त बिताना चाहते हैं तो श्रीलंका की यात्रा कर सकते हैं। श्रीलंका उन कपल्स के लिए परफ़ेक्ट है जो एक ही ट्रिप में बीच, जंगल, हिल स्टेशन और संस्कृति का मिश्रण चाहते हैं। यहां आप आकर्षण बेंटोटा और मिरिसा के रोमांटिक बीच, कैंडी की झीलें और मंदिर, एला के मनमोहक पर्वत और सफारी का अनुभव उठा सकते है।

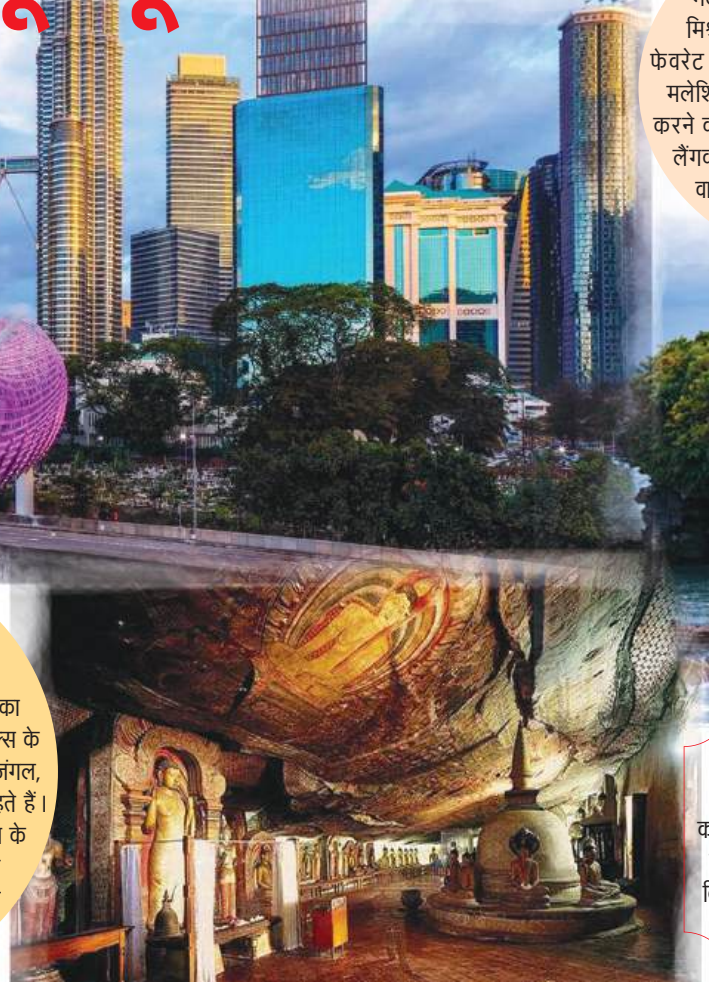

मलेशिया

मलेशिया में एडवेंचर और लग्ज़री का परफेक्ट मिश्रण मिलता है। मलेशिया हर साल कपल्स का फेवरेट विकल्प रहा है और 2026 में यह फिर ट्रेंड में है। मलेशिया में कुआलालंपुर की नाइटलाइफ को एन्जॉय करने का मौका मिलता है। साथ ही आप पेट्रोनास टावर्स, लैंगकॉवी के रोमांटिक बीच, जेंटिंग हाइलैंड्स की कूल वादियं घूमने जा सकते हैं। यहां शॉपिंग, खानपान और वॉटर स्पोर्ट्स का लुत्फ उठा सकते हैं।

वियतनाम

वियतनाम नेचर लवर्स का स्वर्ग है। साल 2026 में वियतनाम एशिया का सबसे तेजी से उभरता हुई हनीमून डेस्टिनेशन बन सकता है। एशिया के सबसे सुंदर और पॉकेट फ्रेंडली रोमांटिक डेस्टिनेशन में शामिल होना चाहते हैं तो वियतनाम का चयन कर सकते हैं। यहां आने वाले कपल्स हा लॉन्ग बे में कैंडल-लाइट क्रूज पर जा सकते हैं। दा नांग और होई एन की रोमांटिक सड़कों पर घूमने जा सकते हैं। निन्ह बिन्ह की झील और पहाड़ों के शानदार दृश्य देख सकते हैं और प्रीमियम कॉफ़ी कल्चर को करीब से जान सकते हैं।

बाली

बाली इंडोनेशिया का रोमांटिक पैराडाइज है। यह हनीमून पर जाने वाले कपल्स का हमेशा सा फेवरेट रहा है। यहां कल्चर, रोमांस और लग्जरी का परफेक्ट मिश्रण मिलता है। बाली को अपने हनीमून के लिए चुन रहे हैं तो यहां उबुद के निजी पूल विला में ठहरें। कुटा और सेमिनायक नाइटलाइफ़ का लुत्फ उठाएं। बाली के झरनों के पास रोमांस को बढ़ाएं। बीच पर सूर्यास्त का नजारा देखें और यहीं समुद्र तट पर रोमांटिक डिनर डेट का लुत्फ उठाएं।

हंसना मना है

गलती होने पर माफी मांगने वाले इंसान को समझदार कहते हैं पर गलती ना होने पर भी माफी मांगने वाले को बॉयफ्रेंड कहते हैं।

एक लड़का-लड़की एक दूसरे को बहुत चाहते थे, लड़की लड़के से बोली- मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आये। लड़का- कुछ भी हो, मैं शादी तुमसे ही करूंगा, आंटी से कहना मुझे भूल जाये।

प्रेमी (प्रेमिका से)- तुम शादी के बाद अपने लिए नया घर तो नहीं मांगोगी? प्रेमिका (प्रेमी से)- नहीं मैं ऐसी लड़की नहीं हूं। तुम अपनी मां को अलग घर दिला देना।

लड़की- आज से हमारा रिश्ता खत्म ! एक दूसरे को दिए सारे गिफ्ट वापस करते हैं। लड़का - ठीक है। तो फिर मोबाइल रिचार्ज से शुरू करते हैं! लड़की- जानू अब मैं मजाक भी नहीं कर सकती क्या?

जिस तरह से बैंक रोज नये-नये चार्ज लगा रहे हैं, वह दिन दूर नहीं, जब आप अपने बैंक के सामने से निकलेंगे और आपका फेस CCTV में आ गया तो आपके खाते से 101 मुंह दिखाई के काट लिए जाएंगे!

कहानी | नकली तोता

एक घने जंगल में विशाल बरगद के पेड़ पर बहुत सारे तोते रहा करते थे। उन्हीं में एक मिट्ठू नाम का तोता भी था। वह बहुत कम बोलता था। इससे सब उसका मजाक उड़ाया करते थे, लेकिन वह कभी भी किसी की बात का बुरा नहीं मानता था। एक दिन दो तोते आपस में बात कर रहे थे। पहला बोला-मुझे एक बार बहुत अच्छा आम मिला था। दूसरे ने कहा- मुझे भी एक दिन आम का फल मिला था, मैंने भी बड़े चाव से उसे खाया था। वहीं, मिट्ठू तोता चुपचाप बैठा था। तब मुखिया ने कहा- अरे हम तोतों का तो काम ही होता है बात करना, तुम क्यों चुप रहते हो? तुम तो मुझे असली तोते लगते ही नहीं। तुम नकली तोते हो। इस पर सभी उसे नकली तोता कहकर बुलाने लगे। फिर एक दिन रात में मुखिया की बीवी का हार चोरी हो गया। बीवी ने कहा- वो हमारी ही झुंड में से एक है। मुखिया ने तुरंत सभा बुलाई। मुखिया ने कहा- मेरी बीवी ने उस चोर को भागते हुए भी देखा है। वह चोर आप लोगों में से ही कोई एक है। उसने मुंह को कपड़े से ढककर रखा हुआ था, लेकिन उसकी चोंच बाहर दिख रही थी। उसकी चोंच लाल रंग की थी। अब सभी की निगाह मिट्ठू तोते और हीरू नाम के एक दूसरे तोते पर थी, क्योंकि इन्हीं दोनों की चोंच लाल रंग की थी। मुखिया ने सोचा कि ये दोनों मेरे अपने हैं। इसलिए, मुखिया ने एक कौवे से इसका पता लगाने के लिए मदद ली। कौवे ने लाल चोंच वाले हीरू और मिट्ठू तोते को बुलाया। कौवे के पूछने पर हीरू तोता बोला मैं उस दिन बहुत थक गया था। इसलिए, खाना खाकर सोने के लिए चला गया था। वहीं मिट्ठू तोते ने कहा-मैं उस रात सो रहा था। कौवे ने फिर पूछा- तुम दोनों अपनी बात साबित करो। हीरू बोला-मैं रात सो रहा था। सब जानते हैं। ये चोरी मिट्ठू ने ही की होगी। मिट्ठू बोला- मैंने यह चोरी नहीं की है। कौवा बोला कि चोर का पता लग गया है। कौवे ने बताया कि चोरी हीरू तोते ने की है। मुखिया ने पूछा- आप यह कैसे कह सकते हैं? कौवे ने कहा- हीरू जोर-जोर से बोलकर झूठ को सच साबित करने में लगा था, जबकि मिट्ठू सच बोल रहा है। इसलिए आराम से कह रहा था। इसके बाद हीरू ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और सभी से माफी मांगी। सभी तोते हीरू तोते को कड़ी सजा देने की बात कहने लगे, लेकिन मिट्ठू ने कहा- मुखिया जी, हीरू तोते ने अपनी गलती मान ली है। उसने सबके सामने माफी भी मांग ली है। उससे पहली बार यह गलती हुई है, इसलिए उसे माफ किया जा सकता है। यह बात सुनने के बाद मुखिया ने हीरू तोते को माफ कर दिया।

7 अंतर खोजें

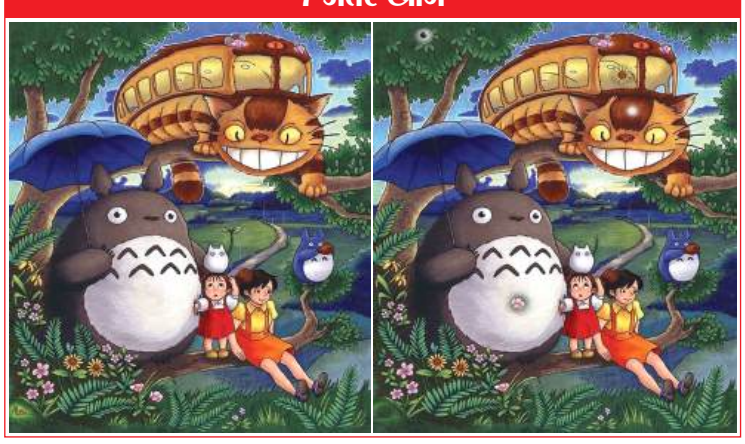

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है।

वृषभ अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे।

मिथुन रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

कर्क वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा, नई योजनाएं बनेंगी।

सिंह तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी।

कन्या चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे।

तुला घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। नौकरी ठीक चलेगी। धनलाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। कुछ को कार्यों में विलंब से चिंता होगी।

वृश्चिक संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे।

मकर पिछले कुछ दिनों से चल रही आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे। व्यावसायिक चिंता रहेगी। मेहनत अधिक होगी।

कुम्भ घर में शिशु आगमन से प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। आय बढ़ेगी।

मीन अपनी कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं। नई योजनाओं की शुरुआत होगी।

मर्दानी 3 को मिला दमदार वीकेंड रानी मुखर्जी का दिखा काप अवतार

अपने काम से हर बार बड़े पर्दे पर छा जाने वालीं रानी मुखर्जी 'मर्दानी 3' से फिर जनता का दिल जीत रही हैं। करीब 7 साल बाद अपने आइकॉनिक कॉप किरदार, शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में लौटीं रानी का भौकाल अभी भी कम नहीं हुआ है। शुक्रवार को रिलीज हुई 'मर्दानी 3' ने पहले वीकेंड में बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ के साथ रानी का दम साबित कर दिया है। इसे रिव्यूज तो मिक्स मिले थे, लेकिन जनता का वर्ड ऑफ माउथ अच्छा नजर आया। इसीलिए वीकेंड में 'मर्दानी 3' के खूब टिकट बिके। लेकिन वीकेंड कलेक्शन से एक सवाल का जवाब अभी भी नहीं मिला है— क्या 'मर्दानी 3' एक बॉक्स ऑफिस हिट बन पाएगी?

रानी मुखर्जी की फिल्म को पहले दिन सॉलिड शुरुआत मिली और शुक्रवार को 'मर्दानी 3' ने 4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। लिमिटेड थिएटर्स और स्क्रीनिंग से आया ये कलेक्शन इसलिए दमदार है क्योंकि ये 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी का सबसे बड़ा ओपनिंग कलेक्शन था।

शनिवार को 'मर्दानी 3' को जनता के वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिला और फिल्म ने 50त्न जंप के साथ करीब 6 करोड़ नेट कलेक्शन कर डाला। संडे को फिल्म ने एक बार फिर से थिएटर्स में दमदार भीड़ जुटाई। ट्रेड रिपोर्ट्स बताती हैं कि रानी की फिल्म ने तीसरे दिन 7।25 करोड़ का कलेक्शन किया है। यानी पहले वीकेंड में 'मर्दानी 3' ने 17 करोड़ से थोड़ा ज्यादा नेट कलेक्शन किया है।

बहुत कम प्रमोशन, लिमिटेड स्क्रीन्स पर रिलीज और सामने 'बॉर्डर 2' जैसी धमाकेदार फिल्मज इस हिसाब से देखें तो 'मर्दानी 3' वाकई बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से डटी हुई है। लेकिन फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्म 'मर्दानी 2' के मुकाबले ये स्लो चल रही है। 'मर्दानी 2' की ओपनिंग 'मर्दानी 3' से कम थी, लेकिन इसने पहले वीकेंड में बॉक्स ऑफिस पर 18 करोड़ से थोड़ा ज्यादा नेट कलेक्शन किया था। यानी वीकेंड में इसकी जंप ज्यादा तगड़ी थी। हालांकि 'मर्दानी 2' के सामने कोई बड़ी फिल्म नहीं थी और 'मर्दानी 3' के सामने 'बॉर्डर 2' जैसी ब्लॉकबस्टर बॉक्स ऑफिस पर मौजूद है। इसलिए नई फिल्म का कलेक्शन दमदार नजर आता है, मगर दर्शक बड़ी फिल्म की तरफ ज्यादा भागते ही हैं।

बॉलीवुड | गपशप

मौजूदा राजनीतिक माहौल में कुछ खास तरह की फिल्में बनाना नामुमकिन है : अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप ने ब्लैक फ्राइडे और गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्में सिने प्रेमियों को दी हैं। मगर, उनका कहना है कि आज के समय में ऐसी फिल्में बनाना असंभव है। अनुराग कश्यप ने हाल ही में बंगलूरू के एक इवेंट में राजनीतिक विषयों पर फिल्में बनाने की चुनौतियों का जिक्र किया। उनका कहना है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में कुछ खास तरह की फिल्में बनाना नामुमकिन है, जहां फिल्मों को कई तरह की कंट्रोवर्सी का सामना करना पड़ता है।

अनुराग कश्यप ने इस बात पर जोर दिया कि फिल्ममेकर्स की यह जिम्मेदारी है कि वे फ्री स्पीच का झंडा ऊंचा रखें। अनुराग कश्यप ने बंगलूरू इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फियरलेस फिल्म मेकिंग सैशन में सिनेमा, पॉलिटिक्स और टेक्नोलॉजी के बारे में बात की। इस दौरान अनुराग ने अपनी फिल्मों के बारे में बात की और कहा, आज के समय में गैंग्स ऑफ वासेपुर या ब्लैक फ्राइडे जैसी फिल्में बनाना नामुमकिन है। कुछ सब्जेक्ट पॉलिटिकल तौर पर सेंसिटिव हो गए हैं और उनसे विवाद होते हैं। अनुराग कश्यप ने आगे कहा, ईरान या रूस जैसे देशों के डायरेक्टर हमसे कहीं ज्यादा पाबंदियों के बावजूद फिल्में बना रहे हैं। भारतीय डायरेक्टर्स को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इसी दौरान अनुराग से आज के समय में मेनस्ट्रीम सिनेमा में पॉलिटिकल फिल्मों की कमी के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा, जर्मनी में हिटलर के खिलाफ फिल्में हिटलर की मौत के बाद ही आईं। हर चीज का अपना समय होता है। अनुराग कश्यप के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी पिछली फिल्म निशांची थी, जिसे दो हिस्सों में बनाया गया। पहला पार्ट पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जिसके बाद पार्ट 2 सीधे ओटीटी पर रिलीज हुआ। इसके अलावा उनकी फिल्म कैनेडी अब भारतीय दर्शकों के बीच ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम होगी। यह फिल्म भारत में सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हुई, बल्कि सीधे ओटीटी पर स्ट्रीम होगी।

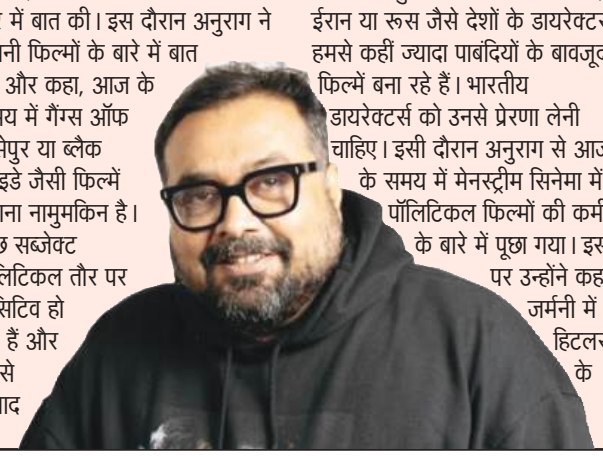

बॉलीवुड | मन की बात

बार-बार एक ही तरह के रोल मिलने पर आता है गुस्सा : संजय मिश्रा

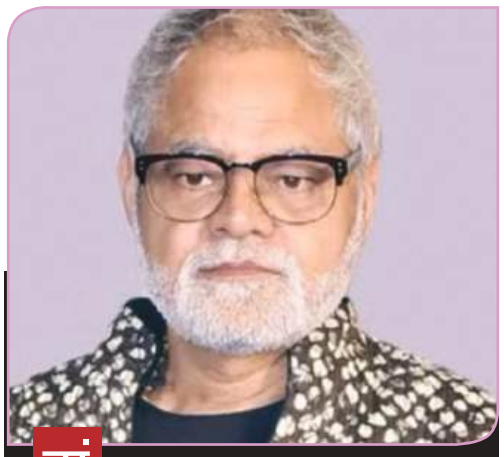

संजय मिश्रा अपकमिंग फिल्म वध 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में टाइपकास्ट होने के बारे में बात की। उन्होंने माना कि बार-बार एक जैसे रोल मिलने से कभी-कभी उन्हें चिड़चिड़ापन महसूस होता है। संजय मिश्रा ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री में पिछले काम की वजह से प्रोड्यूसर अक्सर उन्हें कॉमेडी रोल में ही लेते हैं। फिल्मों में टाइपकास्टिंग के अनुभव के बारे में पूछे जाने पर एक्टर ने कहा, हां होता है। आपको टाइपकास्ट होना ही पड़ता है। प्रोड्यूसर्स को यह अच्छा लगता है। वह सोचते हैं कि अगर कोई कॉमेडी फिल्म है तो संजय मिश्रा इसे एक ही टेक में कर देंगे। उन्हें बुलाओ। संजय मिश्रा ने बार-बार एक ही तरह का रोल मिलने पर नाराजगी जताई है और काम मिलने पर खुशी भी जताई है। उन्होंने कहा, मुझे बार-बार वही रोल मिलने पर गुस्सा आता है। हालांकि यह अच्छी बात है कि कम से कम जब मेरे पास कुछ नहीं था, तब काम तो था। संजय मिश्रा ने फिल्म ओह डार्लिंग! ये है इंडिया! (1995) से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वह आंखों देखी, मसान, कामयाब और कड़वी हवा जैसी बेहतरीन फिल्मों में नजर आ चुके हैं। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता फिल्म वध 2 में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसमें नीना गुप्ता, कुमुद मिश्रा, अक्षय डोगरा, अमित के सिंह, शिल्पा शुक्ला और योगिता बिहानी जैसे कलाकार होंगे। इसे जसपाल सिंह संधू ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इस फिल्म को वध का स्पिरिचुअल सीक्वल बताया जा रहा है।

पेन के ढक्कन में क्यों होता है छोटा सा छेद ? वजह जानकर आप भी चौंक जाएंगे!

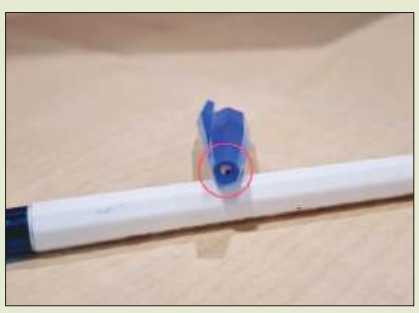

बचपन से लेकर बड़े होने तक हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में कई ऐसी चीजें होती हैं, जो हमेशा हमारे साथ बनी रहती हैं। उन्हीं में से एक है पेन। स्कूल की शुरुआत भले ही पेंसिल से होती है, लेकिन जैसे-जैसे बच्चे दूसरों को पेन से लिखते देखते हैं, उनके मन में भी यही उत्सुकता रहती है कि उन्हें पेन कब मिलेगा और जब एक बार पेन हाथ में आ जाता है, तो फिर पढ़ाई खत्म होने के बाद भी कॉलेज, ऑफिस और अलग-अलग कामों में इसका इस्तेमाल लगातार होता रहता है। लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि पेन के ढक्कन में एक छोटा-सा छेद क्यों होता है? शायद आपने इसे देखा तो होगा, लेकिन इसके पीछे की वजह जानने की कोशिश कम ही लोगों ने की होगी।

दरअसल, पेन के ढक्कन में दिया गया यह छेद सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम होता है। कई कंपनियां बच्चों की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए अपने पेन कैप में यह छेद बनाती हैं। अगर गलती से कोई बच्चा पेन का ढक्कन निगल लेता है, तो इस छेद के जरिए कुछ मात्रा में हवा अंदर जाती रहती है, जिससे तब तक सांस लेने में मदद मिल सके, जब तक कैप बाहर न निकाल ली जाए। इसके अलावा इसके पीछे कुछ और कारण भी बताए जाते हैं। यह छोटा-सा छेद कैप के अंदर और बाहर के दबाव को संतुलित बनाए रखता है, जिससे ढक्कन पेन में फंसता नहीं है। साथ ही, यह इंक को जल्दी सूखने या लीक होने से बचाने में भी मदद करता है। इस तरह देखने में मामूली सा यह छेद, पेन के इस्तेमाल को ज्यादा सुरक्षित और आसान बनाने में बड़ी भूमिका निभाता है।

अजब-गजब | कभी देखा है इतना सुंदर कब्रिस्तान?

इस कब्रिस्तान की सुंदरता देख रात में भी घूमने आते हैं लोग

कब्रिस्तान का नाम सुनते ही मन में डर पैदा होता है, लेकिन स्विट्जरलैंड में एक ऐसा कब्रिस्तान है जो इतना खूबसूरत है कि लोग यहां घूमने, फोटोज लेने और यहां तक कि रात बिताने भी आते हैं। यह जगह मौत को भी सुंदरता से जोड़ती है। हम बात कर रहे हैं स्विस कब्रिस्तान (जैसे ज्यूरिख का फ्राइडहॉफ सिसलहोफ या लॉज़ेन के कब्रिस्तान) की। ये कब्रिस्तान फूलों, हरे-भरे गार्डन और कलात्मक सजावट से भरे होते हैं। सबसे अचंभा तो ये देख कर होता है कि लोग यहां तस्वीरें लेने आते हैं।

यहां हर कब्र पर रंग-बिरंगे फूल लगे रहते हैं। इसमें गुलाब, ट्यूलिप, लैवेंडर और अन्य फूलों से सजी कब्रें देखने लायक होती है। स्विट्जरलैंड में कब्रिस्तान को पार्क की तरह सजाया जाता है। यहां बेंच, फव्वारे, पगडंडियां और पेड़-पौधे हैं। परिवार कब्रों को घर जैसा बनाते हैं। इसमें फूल लगाते हैं, छोटे गार्डन बनाते हैं और नियमित सफाई करते हैं। यह परंपरा सदियों पुरानी है। स्विस संस्कृति में मौत को जीवन का हिस्सा माना जाता है, इसलिए कब्रिस्तान को उदास नहीं बल्कि शांत और सुंदर जगह बनाया जाता है। इन कब्रिस्तानों में पर्यटक फोटोग्राफी के लिए आते हैं। कई लोग रात में यहां घूमने आते हैं क्योंकि रोशनी में फूल और कब्रें जादुई लगती है। कुछ पर्यटक मजाक में कहते हैं कि यहां भूत भी इतने सुंदर हैं कि उनसे प्यार हो जाएगा। हालांकि स्विस कब्रिस्तान में भूतों की कहानियां कम हैं, लेकिन रात में शांति और सुंदरता से लोग रोमांचित हो जाते हैं। यह कब्रिस्तान क्लाइमेट और संस्कृति से जुड़े हैं। स्विट्जरलैंड की ठंडी जलवायु और हरी-भरी प्रकृति से फूल आसानी से उगते हैं। लोग कब्रों पर साल भर फूल रखते हैं। कुछ कब्रिस्तान में तो छोटे-छोटे मेमोरियल गार्डन हैं, जहां परिवार पिकनिक जैसा माहौल बनाते हैं। यह जगह मौत के डर को कम करती है और जीवन की सुंदरता याद दिलाती है।

महाराष्ट्र में अजित के विमान दुर्घटना पर सियासी संग्राम

शिवसेना यूबीटी के बाद कांग्रेस ने भी की जांच की मांग

» राज्य के 80 प्रतिशत लोगों का मानना इसमें कुछ गड़बड़ है : वडेट्टीवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के दिग्गज अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत पर षड्यंत्र का संदेह के आरोप लगने लगें हैं। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत के बाद कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने मौत पर षड्यंत्र का संदेह जताते हुए कहा कि 80 प्रतिशत महाराष्ट्रीयन इसमें गड़बड़ी मानते हैं। उन्होंने पायलट बदले जाने जैसे सवालों को उठाते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है, जिससे महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया है।

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत के पीछे षड्यंत्र होने का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के 80 प्रतिशत लोगों का मानना है कि इसमें कुछ गड़बड़ है। विजय वडेट्टीवार ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को इस मामले की जांच की मांग करनी चाहिए। उन्होंने एनसीपी प्रमुख अजीत पवार की मृत्यु के कुछ ही दिनों बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर भी सवाल उठाए और कहा कि हर कोई सत्ता हथियाने की होड़ में लग गया। वडेट्टीवार ने कहा कि केवल सीआईडी जांच से कुछ हल नहीं होगा। आखिरी समय में पायलट क्यों बदला गया? इतने बड़े नेता के मामले में लापरवाही कैसे हो सकती है। एनसीपी नेताओं को प्रधानमंत्री मोदी से इसकी जांच कराने की मांग करनी चाहिए... अगर यह दुर्घटना नहीं है, अगर इसके पीछे कोई षड्यंत्र है, तो यह किसकी ओर इशारा करता है? उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई इस तरह की बातें कर रहा है, तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह किसकी ओर इशारा कर रहा है... अजित दादा की मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार भी पूरा नहीं हुआ था कि सब सत्ता हथियाने की होड़ में जुट गए।

अंतिम संस्कार भी पूरा नहीं हुआ सब सत्ता हथियाने की होड़ में जुटे

एनसीपी नेताओं ने भी जताया संदेह

इससे पहले, एनसीपी नेता अमोल मितकारी ने भी इसी तरह के संदेह व्यक्त किए थे, जिसमें उन्होंने अचानक पायलट परिवर्तन, विमान के मार्ग में बदलाव और दुर्घटनास्थल से बरामद शवों की स्थिति पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा, एक भी कागज़ नहीं जला, लेकिन शव जले हुए थे। इससे संदेह पैदा होता है। मितकारी ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से सीबीआई जांच शुरू करने का आग्रह किया है और उच्च स्तरीय जांच सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हस्तक्षेप की भी मांग करेंगे।

दादा की मौत हादसा नहीं साजिश : राउत

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मौत पर सवाल उठाते हुए विमान दुर्घटना में साजिश की आशंका जताई। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दो विरोधी गुटों के बीच संभावित सुलह की अटकलें तेज हैं। राउत ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित एनसीपी विलय का समर्थन करने के बाद अजीत पवार पर दबाव डाला गया और दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सिंचाई घोटाले की फाइलों का इस्तेमाल उन्हें धमकाने के लिए किया। राउत के अनुसार, इस घटना के कुछ ही दिनों के भीतर अजीत पवार की अचानक मौत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि अजीत दादा की दुर्घटना पर सवाल जरूर उठेंगे... सवाल उठने ही चाहिए। जिस तरह से अजीत पवार जैसे नेता... महाराष्ट्र के एक दिग्गज नेता की विमान दुर्घटना में मृत्यु हुई और जो तथ्य सामने आ रहे हैं - इसकी जांच होनी चाहिए... मुझे लगता है कि इसमें कुछ गड़बड़ है। उन्होंने आगे कहा, पर्दे के पीछे कुछ जरूर हुआ है... उनकी रहस्यमय तरीके से 10 दिनों के भीतर मृत्यु हो गई। इससे हम क्या समझते हैं? यह हमें न्यायमूर्ति लोया की याद दिलाता है।

साध्वी प्रेम बाईसा की मौत मामले में सरकार कुछ छिपाए नहीं : पायलट

» कांग्रेस नेता बोले- दोषी पर सख्त कार्रवाई हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उदयपुर। कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध मौत को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने उदयपुर में सरकार पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और सरकार को कुछ भी छिपाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। सचिन पायलट ने कहा कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने कहा- जो भी दोषी पाया जाए या जिसके खिलाफ सबूत मिलें, उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार को इस मामले में कुछ भी छिपाने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

उदयपुर पहुंचने पर सचिन पायलट डबोक एयरपोर्ट से भुवाणा क्षेत्र पहुंचे, जहां उन्होंने पीसीसी सदस्य दुर्गासिंह राठौड़ के पिता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इसके बाद वे राजसमंद जिले के नाथद्वारा रवाना हुए, जहां कांग्रेस नेता देवकीनंदन गुर्जर के घर जाकर शोक जताया। बता दें कि कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा 27 जनवरी की रात संदिग्ध हालातों में मौत हो गई थी। जिसके बाद पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है, जबकि विपक्ष सरकार पर दबाव बना रहा है।

विश्वकप से पहले तिलक वर्मा की दमदार वापसी

» वार्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवी मुंबई। टी20 विश्वकप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सोमवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए वॉर्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय ए टीम ने नारायण जगदीशन के शतक और आयुष बदोनी के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए। जवाब में अमेरिका की टीम 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 200 रन ही बना सकी। भारत के लिए रवि बिश्नोई ने तीन विकेट हासिल किए जबकि खलील अहमद और नमन धीर को एक-एक सफलता प्राप्त हुई।

तिलक वर्मा ने अपनी फिटनेस को लेकर टीम प्रबंधन की सभी चिंताओं को दूर कर दिया। मैदान पर उतरे तिलक न सिर्फ बल्लेबाजी में सहज नजर आए, बल्कि फील्डिंग और गेंदबाजी में भी पूरी तरह फिट दिखे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 24 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली। फील्डिंग में भी तिलक वर्मा ने अपनी चुस्ती का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने पीछे की ओर दौड़ते हुए एक बेहतरीन कैच लपका। इसके अलावा तिलक ने गेंदबाजी भी की और एक विकेट अपने नाम किया, साथ ही एक और कैच लेकर ऑलराउंड प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को पूरी तरह संतुष्ट कर दिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका की टीम ने भी संघर्ष जरूर किया, लेकिन बड़े स्कोर के दबाव में अंतत: घुटने टेक दिये। संजय कृष्णमूर्ति अमेरिका की ओर से 18 गेंदों पर 41 रन बनाए। हालांकि उनकी पारी टीम को जीत के करीब नहीं ले जा सकी।

भारत से हारने के डर से कर रहा पाक बॉयकॉट का बहाना!

नई दिल्ली। सात फरवरी से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप 2026 से पहले पाकिस्तान का ड्रामा चालू हो गया है। टूर्नामेंट के बहिष्कार की गीदड़भभकी से शुरू हुआ ड्रामा अब भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के बहिष्कार पर आकर रुक गया है। भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार कर पाकिस्तान अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहा है। साथ ही 21वीं सदी में पाकिस्तान का आईसीसी टूर्नामेंट्स भी भारत के खिलाफ रिकॉर्ड यह बताता है कि पड़ोसी मुल्का का भारत से खेलने का डर जायज है। टीम इंडिया के खिलाफ लगातार हार ने उन्हें डरा दिया है और यही वजह है कि उसने बॉयकॉट का रास्ता अपनाया। अगर मैच ही नहीं होगा तो उनकी अपने मुल्क में थू-थू नहीं होगी। संजय मांजरेकर के हालिया वीडियो में मांजरेकर का साफ कहना है कि अब पाकिस्तान भारत के खिलाफ खेलने से कतरा रहा है, और इसकी वजह कोई राजनीति नहीं बल्कि खेल का डर है। उसे भारत से हर का डर सता रहा है।

अवैध मृतक आश्रित नियुक्ति मामला सीएम तक पहुंचा

» मुख्यमंत्री आईजीआरएस पोर्टल पर लगी एक आख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अवैध मृतक आश्रित नियुक्ति मामला अब सीएम तक पहुंच गई है। इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री आइजीआरएस पोर्टल पर की गई है। शिकायत कर्ता ने जानकारी अवैध मृतक आश्रित नियुक्त कर्मी सहायक लेखाकार मृत्युंजय के निलंबन के बजाय प्रमोशन पर प्रमोशन मिल रहा है। मृतक आश्रित नियुक्त कर्मी मृत्युंजय को जलकल मुख्यालय का लेखाकार बनाया गया है। शिकायत कर्ता ने अवैध मृतक आश्रित नियुक्ति मामले में जलकल महाप्रबंधक कुलदीप सिंह पर सवाल उठाया और बोला है कि वह कार्यवाही क्यों नहीं कर रहे है।

बता दें मुख्यमंत्री आईजीआरएस पोर्टल पर लगी एक आख्या में हुआ बड़ा खुलासा है कि अवैध मृतक आश्रित नियुक्त कर्मी मृत्युंजय सहायक लेखाकार को लेखाकार बनाया दिया गया है। मुख्यमंत्री आइजीआरएस पोर्टल पर 17 जनवरी और 28 जनवरी 2026 को लगाई गई एक आख्या में अवैध मृतक आश्रित नियुक्त कर्मी मृत्युंजय सहायक लेखाकार ने लेखाकार बन लगाई रिपोर्ट मुख्यमंत्री आइजीआरएस पोर्टल पर प्रमोद सिंह चौहान शिकायतकर्ता द्वारा की गई थी। प्रमोद सिंह चौहान के आईजीआरएस शिकायती प्रार्थना पत्र पर पंकज सोती और मृत्युंजय द्वारा हस्ताक्षर कर अपने आप को सक्षम अधिकारी बताया। अवैध मृतक आश्रित नियुक्त कर्मी सहायक लेखाकार मृत्युंजय खुद को लेखाकार बता सक्षम अधिकारी की हैसियत से अपर नगर आयुक्त ललित कुमार को रिपोर्ट करने लगे। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने भी रिपोर्ट पर संस्तुति दी।

मृत्युंजय को महाप्रबंधक और लेखाधिकारी बचाने का कर रहे प्रयास

उधर ये दावा है कि मृत्युंजय को महाप्रबंधक कुलदीप सिंह और लेखाधिकारी पंकज सोती लगातार बचाने का प्रयास कर रहे हैं। विभागीय सूत्रों की माने तो लेखाधिकारी पंकज सोती अपनी सेवानिवृत्ति होने के बादमृत्युंजय को लेखाधिकारी बनाना चाह रहे थे।

मणिपुर में नई सरकार की कवायद तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। भारतीय जनता पार्टी ने मणिपुर में मुख्यमंत्री के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भगवा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को विधायक दल के नेता की नियुक्ति की प्रक्रिया की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस कदम से संकेत मिलता है कि पार्टी राष्ट्रपति शासन की समाप्ति से पहले एक निर्वाचित सरकार को बहाल करने की तैयारी कर रही है।

सत्ताधारी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के वरिष्ठ नेता और विधायक, भाजपा की मणिपुर इकाई के प्रमुख के साथ, आज होने वाली एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। यह बैठक मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के छह महीने के विस्तार की समाप्ति से कुछ ही दिन पहले हो रही है, जो 12 फरवरी को समाप्त हो रहा है।

चर्चा से क्यों डरती है मोदी सरकार

» नेता प्रतिपक्ष के समर्थन में कांग्रेस नेता थरूर का सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के संसद के अंदर दिए गए बयान पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमारे पास ऐसी सरकार क्यों है जो चर्चा से डरती है? यह वाकई दुखद है। मुझे लगता है कि सरकार को इस तरह प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी। उन्हें चर्चा को बढ़ावा देना चाहिए था, स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए थी, चीजों को साफ करना चाहिए था। चीन का पूरा मुद्दा पूरे देश के लिए बहुत चिंता का विषय है। चीन पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री, सभी को बोलने दें और जनता को बताएं कि क्या हो रहा है।

ऐसी स्थिति न होने दें जहां हर बात को दबा दिया जाए। यह हमारे लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। यह संसद के कामकाज के लिए भी ठीक नहीं है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट से उद्धरण देने के उनके प्रयास पर सरकार की आपत्ति को खारिज कर दिया। उन्होंने पूछा कि सरकार इस सामग्री से इतनी भयभीत क्यों है?

एसआईआर मामले में दिल्ली से बंगाल तक बवाल

सीईसी से मुलाकात के बाद भड़कीं सीएम, बोलीं- भाजपा के इशारे पर काम कर रहे ज्ञानेश कुमार, प्रवर्तन निदेशालय के राज्य में कई जगहों पर की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहें हैं वहां का सियासी मिजाज तेवर में आते जा रहे हैं। जहां राज्य की सीएम दिल्ली में चुनाव आयोग से एसआईआर के मुद्दे पर मिलने पहुंची हैं। वहीं ईडी ने बंगाल में अवैध कोयला खनन मामले में पुलिस अधिकारी समेत 10 ठिकानों पर छापेमारी की है। इन घटनाक्रमों के बाद दिल्ली से बंगाल तक सियासी बवाल मच गया है। टीएमसी व भाजपा में वारपलटवार भी प्रारंभ हो गया है। पश्चिम बंगाल में अवैध कोयला खनन मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक बार फिर एक्शन मोड में है।

भाजपा व टीएमसी में वार-पलटवार

मंगलवार सुबह से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में केंद्रीय एजेंसी की छापेमारी जारी है। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में कोयले के कथित अवैध खनन और परिवहन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई शुरू की है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय की टीमें राज्य के लगभग 10 विभिन्न परिसरों की तलाशी ले रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस छापेमारी के केंद्र में राज्य पुलिस के अधिकारी मनोरंजन मंडल हैं। मनोरंजन मंडल से संबंधित परिसरों के अलावा, इस सिंडिकेट से जुड़े कई अन्य संदिग्धों के घरों पर भी तलाशी ली जा रही है।

अवैध कोयला खनन व परिवहन मामले के संबंध में छापे मारे

अधिकारियों ने बताया कि राज्य पुलिस अधिकारी मनोरंजन मंडल से संबंधित परिसरों सहित लगभग 10 परिसरों की धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तलाशी ली जा रही है। यह मामला संघीय जांच एजेंसी द्वारा जांच किए जा रहे एक अन्य कथित कोयला घोटाला मामले से अलग है, जिसमें एजेंसी ने पिछले महीने कोलकाता में राजनीतिक परामर्श कंपनी 'आई-पैक' के परिसर पर छापा मारा था। अधिकारियों ने बताया कि किरण खान, शेख अख्तर, प्रबीर दत्ता, मिर्जा एच बेग समेत कुछ लोगों के घरों पर छापेमारी की जा रही है।

पीएम से पूछिए क्या उनके माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र है : ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ लगभग 90 मिनट की बैठक के बाद चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाए जाने का आरोप लगाया और चुनाव आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि अगर हमें 2022 में एसआई करना होता, और हमसे हमारे पिता के बर्थ सर्टिफिकेट लाने को कहा जाता, तो यह मुमकिन नहीं होता। पहले बच्चे घरों में पैदा होते थे, अस्पतालों में नहीं। अपने प्रधानमंत्री से पूछिए कि क्या उनके पास अपने माता-पिता के इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी सर्टिफिकेट हैं। बनर्जी ने कहा कि बंगाल में आम बात है कि मामूली वर्तनी की गलतियों और नाम में बदलाव के आधार पर मतदाताओं के दावे रद्द किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पहले तो उन्होंने लोगों के नाम हटा दिए। चुनाव आयुक्त भाजपा का सूचना प्रौद्योगिकी विभाग है। क्या आप इसे लोकतंत्र कहते हैं? बनर्जी ने कहा कि नाम वर्तनी में अंतर के कारण भी हटाए जा रहे थे, जैसे कि बनर्जी और बंद्योपाध्याय, मुखर्जी और मुखोपाध्याय, या चटर्जी और चट्टोपाध्याय।

ये है मुख्य आरोप?

जांच एजेंसी को संदेह है कि अवैध कोयला खनन के जरिए करोड़ों रुपये की कमाई की गई और इसे मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए वैध बनाने की कोशिश की गई। पुलिस अधिकारियों और स्थानीय प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत से कोयले का अवैध परिवहन किया गया, जिससे सरकारी खजाने को भारी चपत लगी है।

बिना सुनवाई का मौका दिए ही 58 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए

बंगाल में उपनाम बदलते हैं। लोग अपनी उपाधियाँ बदलते हैं। उपाधियों में बदलाव के कारण लोग अपने नाम कटवा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि ऐसे अंतरों को असंगतियाँ बताकर मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बिना सुनवाई का मौका दिए ही 58 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। ममता ने कहा कि उन्होंने मुझसे पूछा तक नहीं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) पर इस अभियान के दौरान दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने कहा, बीएलओ पर दबाव है। बनर्जी ने आगे आरोप लगाया कि अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक समुदाय इससे असमान रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने पूछा, अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यकों को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है? क्या वे इंसान नहीं हैं?

व्हाट्सऐप और मेटा को सुप्रीम फटकार

प्राइवेसी पॉलिसी को शोषणकारी और यूजर्स को गुमराह करने वाला बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सऐप और मेटा को फटकार लगाया है। शीर्ष कोर्ट ने कं पनी की प्राइवेसी पॉलिसी को शोषणकारी और यूजर्स को गुमराह करने वाला बताया है। सीजेआई सूर्यकांत ने प्राइवेसी का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करने और संविधान की अवहेलना पर कड़ी चेतावनी दी.जज बागची ने डिजिटल फुटप्रिंट के ऑनलाइन विज्ञापन में इस्तेमाल की निगरानी और कड़े नियमों की जरूरत पर बल दिया।

व्हाट्सऐप की 2021 प्राइवेसी पॉलिसी पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई की शुरुआत में केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि व्हाट्सऐप की प्राइवेसी पॉलिसी शोषणकारी है, क्योंकि यह न केवल यूजर्स का डेटा साझा करती है बल्कि उसे व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल भी करती है। सीजेआईने आगे कहा कि आप यहां सर्विस देने के लिए हैं, डेटा इकट्ठा कर शेयर करने के लिए नहीं. कभी-कभी हमें भी आपकी पॉलिसी समझने में दिक्कत होती है- तो बिहार के ग्रामीण हिस्सों में रहने वाले लोग क्या समझेंगे? सीजेआई ने स्पष्ट किया कि अदालत यूज़र्स की निजता और सूचित सहमति पर किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगी। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने एक व्यक्तिगत उदाहरण देते हुए कहा, डॉक्टर व्हाट्सऐप पर तीन दवाइयां भेजते हैं और पांच मिनट के भीतर उसी दवा से जुड़े विज्ञापनों की बाढ़ आ जाती है।

हमारे संविधान का पालन नहीं कर सकते तो भारत छोड़कर जाइए : सूर्यकांत

इस पर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बेहद कठोर शब्दों में कहा, अगर हमारे संविधान का पालन नहीं कर सकते तो भारत छोड़कर जाइए, हम किसी भी नागरिक की प्राइवेसी से समझौता नहीं होने देंगे। सीजेआई ने कहा कि व्हाट्सऐप की प्राइवेसी पॉलिसी को बेहद चालाकी से तैयार किया गया दस्तावेज बताया। उन्होंने कहा, आपकी पॉलिसी ऐसी है कि एक गरीब बुजुर्ग महिला, सड़क किनारे बेंडर, या केवल तमिल बोलने वाली महिला-क्या आपकी मंशा समझ पाएगी?

उत्तराखंड में खड्ड में गिरी बस तीन की मौत, कई यात्री घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। हिमाचल पथ परिवहन निगम(एचआरटीसी) के नेरवा डिपो की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। हादसे में अभी तक तीन लोगों की मौत की सूचना है। कई यात्री घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 10 : 30 नेरवा से पांवटा साहिब जा रही एचआरटीसी बस संख्या एचपी66 ए 2588 हरिपुर-कोटी-मीनस मार्ग पर क्वानू के पास नीचे शूदोई खड्ड में गिर गई है।

परिचालक की ओर से पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार हादसे के समय बस में 31 से 34 यात्री सवार थे। हादसे में घायलों की सही संख्या का अभी पता नहीं चल पाया है। मौके पर एसडीआरएफ, हिमाचल व उत्तराखंड पुलिस की ओर से बचाव अभियान चलाया जा रहा है। हादसे की जानकारी बस के परिचालक ने पुलिस को फोन पर दी। प्रथम दृष्टया यह जानकारी सामने आई है कि पास देते समय हादसा हुआ और बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल के लिए रवाना हुई। थाना प्रभारी कालसी दीपक धारीवाल ने बताया घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

राजधानी में सुबह बारिश ने बढ़ाई ठिठुरन

» सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समेत अवध क्षेत्र में मंगलवार की सुबह मौसम ने अचानक बदला। आसमान में काले घने बादल आते ही अंधेरा छा गया। कुछ ही देर में बूंदाबांदी शुरू हो गईफिर बारिश बढ़ गई। कई इलाकों में तेज तो कई इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिली। बारिश के साथ ही हवा चलने से ठंड में भी इजाफा हो गया।

सुबह करीब 9 बजे के आसपास लखनऊ में बादलों की सक्रियता तेज हुई और कुछ ही देर में आसमान में घना अंधेरा छा गया। इसके बाद गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। अचानक बदले मौसम से शहर की रफ्तार थम सी गई। बारिश के चलते स्कूल, दफ्तर और रोजमर्रा के कामों के लिए घर से निकले लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई इलाकों में लोग भीगते नजर आए, जबकि सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मौसम विभाग ने पहले ही राजधानी में मौसम बदलने का पूर्वानुमान जारी किया था। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में कमी आने के बाद बुधवार से मौसम में सुधार देखने को मिलेगा। इसके साथ ही तापमान में हल्की गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को बीते दिनों की उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

महापौर की बैठक में सीवर संकट पर हंगामा

» पार्षदों ने जलकल-जल निगम और सुएज को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम सदन में पार्षदों द्वारा उठाए गए जनसमस्याओं के मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने सभी अधिकारियों और पार्षदों को पत्र जारी कर सामान्य बैठक बुलाई। बैठक में नगर निगम, जलकल विभाग, जल निगम और सुएज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सीवर, जलभराव और गंदे पानी की समस्या को लेकर अधिकारियों को कड़ी घेराबंदी में लिया।

पार्षदों ने कहा कि उनके वार्डों में सीवर ओवरफ्लो और गंदे पानी की समस्या से जनता त्रस्त है, लेकिन जिम्मेदार विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इस दौरान जीएम जलकल, जल निगम के एक्सईएन और सुएज कंपनी के अधिकारियों से तीखे सवाल पूछे गए। चौक वार्ड में कुछ सीवर लाइनें अभी भी अधूरी हैं, जिन्हें शीघ्र डलवाने की मांग की गई।

सुएज कंपनी ने भुगतान न मिलने का उठाया मुद्दा बैठक में सुएज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी ने बताया कि कई स्थानों पर काम किया गया है, लेकिन कुछ जगहों पर कार्य अधूरा है। विभाग की ओर से करीब 21 करोड़ रुपये का भुगतान अब तक रोका गया है, जिसके कारण कार्य पूरा करने में दिक्कत आ रही है।

महापौर ने दिए समीक्षा के निर्देश

महापौर ने सभी संबंधित विभागों को पार्षदों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करने और लंबित कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

पार्षदों ने उठाए सवाल

अनुराग मिश्रा अन्नू ने उठाए अहम सवाल

पार्षद अनुराग मिश्रा 'अन्नू' ने कहा चौक व पुराने लखनऊ में जल निउगम द्वारा खुन-खुन जी रोड से कोनेश्वर चौराहा तक मुख्य मार्ग पर सीवर लाइन डालने का प्रस्ताव कार्यकारिणी/सदन से पास है, फिर भी अब तक इस पर क्या कार्रवाई हुई, इसका जवाब नहीं दिया जा रहा। लाजपत नगर, रूमी गेट पुलिस चौकी से घंटाघर तक पूर्व में जल निगम द्वारा गलत सीवर लाइन डाल दी गई, जो आज जलभराव का मुख्य केंद्र बन चुकी है।इस समस्या के निस्तारण को लेकर महापौर और लखनऊ कमिश्नर द्वारा लगभग एक साल पहले पत्र लिखा गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।